ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

भाषा ज्ञान-

१. पढ़िए, समझिए और लिखिए-

मछली- मछलियाँ
कली – कलियाँ
नाली- नालियाँ
केकड़ा- केकड़े
दिशा- दिशाएँ

हड्डी- हड्डियाँ
नदी- नदियाँ
बगुला- बगुले
हवा- हवाएँ
चर्चा- चर्चाएँ

२. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द तालिका में से ढूंढकर लिखिए-

(तेज़,रात, जीवन, बुरा,सरदी, गलत, प्रसन्न, पास)

गरमी- सरदी
मृत्यु- जीवन
दिन- रात
दूर – पास

उदास- प्रसन्न
भला- बुरा
धीरे- तेज़
ठीक- गलत

3. "लेकिन मामा! इस दुनिया में आज तक कोई बगुला ऐसा नहीं हुआ जिसने मछलियों की भलाई के बारे में सोचा हो।"

उपर्युक्त पंक्तियों में रेखांकित शब्द संज्ञा हैं–

जैसे– बगुला, मछली – प्राणियों के नाम

भलाई – भाव का नाम

नाम ही संज्ञा कहलाते हैं, अर्थात् किसी वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

- व्यक्तिवाचक संज्ञा – विशेष व्यक्ति, विशेष वस्तु, विशेष स्थान के नाम; जैसे– रोहन, डॉ० राजेंद्र प्रसाद, स्वर्ण-मंदिर, अमृतसर, लाल-किला।
- जातिवाचक संज्ञा – समस्त जातियों के नाम; जैसे–मामा, तालाब, तितली।
- भाववाचक संज्ञा – गुण, दशा, भावों के नाम; जैसे– मित्रता, प्यास, गरमी, चिंतित।

व्यक्ति वाचक,जातिवाचक, और भाववाचक संज्ञा से स्थान भरिए-
(गरमी, मछलियों, हरिकृष्ण देवसरे)

क) ..... का मौसम था।
ख) .... ने घबराकर कहा।
ग) इस कहानी के लेखक का नाम..... ... है।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP